

बजट आवंटन/आयोजनागत  
संख्या : 299/XVII(1)-2/2006-06(41)/2006

प्रेषक,

पी0सी0शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,  
वी0आई0पी0 हैंगर, जौलीग्राण्ट,  
देहरादून।

परिवहन एवं नागरिक उड्डयन अनुभाग-2

देहरादून :दिनांक 30 नवम्बर 2007

विषय: नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड के लिये वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु  
अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053 नागर विमानन अंतर्गत आयोजनागत पक्ष के  
बजट आवंटन की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या- 599  
/xxvii(1)/2007 दिनांक 12 जुलाई 2007 तथा शासनादेश संख्या  
546/ix(65)/clV/प्लान-नानप्लान/2007-08 दिनांक 7 मई 2007 तथा निदेशक,  
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या -533 /14 -छ:-लेखा  
बजट प्लान/2007-08 दिनांक 22 अगस्त 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश  
हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड के लिए चालू  
वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053 के अंतर्गत  
आयोजनागत पक्ष में निम्न तालिका के विवरणानुसार रु0 6,09,50,000.00(छ: करोड नौ  
लाख पचास हजार मात्र ) की धनराशि (लेखानुदान के अंतर्गत माह 1 अप्रैल 2007से  
31 जुलाई 2007 तक की वित्तीय स्वीकृतियों को सम्मिलित करते हुये) के अंतर्गत  
स्वीकृत धनराशि को समाहित करते हुये निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन  
आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

( धनराशि हजार में )

क्रम सं०	लेखाशीर्षक	कूल बजट प्राविधान धनराशि वर्ष ( 2007-08)	लेखानुदान(मिाइ 1 अप्रैल 2007से 31 जुलाई 2007 तक )के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि	लेखानुदान के पश्चात अवशेष निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि
1	<p>पूजा लेखा.....</p> <p>5053-नागर विमानन पर पूजीगत परिव्यय</p> <p>02-विमान पत्तन-आयोजनागत</p> <p>800-अन्य व्यय</p> <p>04-इवाई पट्टी का सुदृढीकरण एवं अन्य सम्बद्ध निर्माण कार्य</p> <p>24-वृहत् निर्माण कार्य</p> <p>08- देहरादून में हेलीपैड एवं हैंगर का निर्माण</p> <p>24-वृहत् निर्माण कार्य</p> <p>11- व्यवसायिक विमान सेवाओं का विस्तार</p> <p>24-वृहत् निर्माण कार्य</p>	<p>10,000</p> <p>5000</p> <p>50,000</p>	<p>750</p> <p>3300</p> <p>.....</p>	<p>9250</p> <p>1700</p> <p>50,000</p>
	योग	65000	4050	609500

2- वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-255/XXVII(1)/2007 दिनांक 26मार्च 2007 शासनादेश संख्या-599/XXVII(1)/2007 दिनांक 12 जुलाई, 2007 में निहित प्रक्रियाओं एवं शर्तों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए व्यय किया जायेगा।

3- उक्त निवर्तन पर पर रखी जा रही धनराशि के व्यय हेतु सुस्पष्ट प्रस्ताव पृथक-पृथक उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मूलभूत आवश्यकता का विवरण देकर भूमि की उपलब्धता, कार्यदायी संस्था की

- रूपरेखा स्पष्ट कर प्रस्ताव उपलब्ध कराया जायेगा। उक्तानुसार प्रस्ताव उपलब्ध कराया जायेगा। तदोपरान्त ही व्यय की स्वीकृति प्रदान की जायेगी।
- 4- आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिये नहीं किया जाये।
- 5- उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुरितका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
- 6- प्लान पक्ष की उक्त धनराशि के विपरीत व्यय की स्वीकृति नियोजन विभाग से प्लान परिव्यय की सहमति होने के उपरान्त वित्त विभाग की सहमति से ही दी जायेगी।
- 7- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुरितका, स्टोर परचेज रुल्स, टेंडर/कोटेशन विषयक नियम एवं मितव्ययता के विषय में शारान द्वारा रागय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 8- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिनके लिए यह स्वीकृति की जा रही है। मासिक व्यय तथा व्यय का व्यय विवरण बी०-एम०-०८ एवं बी० एम०-१३ पर ही प्रत्येक माह की ०५ तारीख तक नागरिक उड्डयन विभाग/ वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।
- 9- सामग्री/सम्पुर्ति आदि की मद में धनराशि व्यय करने के पूर्व डी०जी०एस०एण्ड डी०/ टेंडर/कोटेशन आदि का सम्पूर्ण विवरण देते हुए पृथक से शासन की स्वीकृति प्राप्त कर धनराशि व्यय की जायेगी।
- 10- उक्त निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि से यदि कोई निर्माण/विकास कार्य कराये जायेंगे या कोई प्रतिकर आदि भुगतान किया जायेगा तो उनके सक्षम तकनीकी एजेन्सी/विभाग से आगणन लो०नि०वि० की दरों पर बनवाकर तथा प्रतिकर के भुगतान के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभाग से अनुमान प्राप्त कर उस पर शासन स्तर पर गठित टी०ए०सी० की तकनीकी स्वीकृति के उपरान्त ही धनराशि व्यय हेतु शासन से अवमुक्त की जायेगी।
- 11- जिन कार्यों के लिये आवश्यक हो उनके लिये शासन द्वारा मान्यता प्राप्त निर्माण एजेन्सी से लोक निर्माण विभाग के शिड्यूल ऑफ रेट्स के आधार पर आगणन बनाकर उस पर सक्षम तकनीकी एजेन्सी से तकनीकी परीक्षण कराकर ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- 12- व्यय की जा रही मद में यदि वित्तीय वर्ष २००४-०५, २००५-०६ तथा २००७-०८ में कोई धनराशि स्वीकृत की गई है, तो उसका उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं वित्तीय तथा भौतिक प्रगति विवरण शासन को तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- 13- उक्त धनराशि का तत्काल उपयोग कर निर्धारित प्रारूप पर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय।



- 14- अप्रयुक्त धनराशि वजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय-सारणी के अनुसार 31-03-08 तक समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 15- रवीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार आवश्यक मदों पर ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
- 16- कृपया उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
- 17- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-2008 के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053 नागर विमानन पर पूंजीगत परिव्यय 02-विमान पत्तन-आयोजनागत 800-अन्य व्यय 00-की पूर्व पृष्ठ के प्रस्तर-1 में उल्लिखित तालिका की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।
- 18- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 453(B)/XXVII(2)/2007 दिनांक 30 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

( पी०सी० शर्मा )  
प्रमुख सचिव

संख्या- 298/IX/113/2007-08, समदिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवरॉय मोटर बिल्डिंग, गाजरा, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव/वजट अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-2
- 5- गार्ड फ़ाइल।
- 6- एन०आई०सी०सचिवालय।

आज्ञा से

(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव।

30/11/07